4258874

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय कृषि विज्ञान

परीक्षा का दिन गुरुवार

दिनांक 21-03-2024

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	7½	19	4
2	5	20	4
3	8	21	—
4	1½	22	—
5	1½	23	—
6	1½	24	—
7	1½	25	—
8	1½	26	—
9	1½	27	—
10	1½	28	—
11	1½	29	—
12	1½	30	—
13	1½	31	
14	1½	योग	55½
15	1½	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	56	छप्पन
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर पुनरुच्चार संकेतांक 36628

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।175/2023

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटे।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटे।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		"खण्ड - अ"
	उ. 1	
½	(i)	(द) सुनहरा पीला
½	(ii)	(द) उपर्युक्त सभी
½	(iii)	(अ) पी. एच. बी.
½	(iv)	(द) कल्ले फुटान अवस्था
½	(v)	(ब) 100 - 300 मी मी.
½	(vi)	(स) 21 प्रतिशत
½	(vii)	(अ) बेरी - बेरी
0	(viii)	(ब) प्रोटीन की कमी से

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
½	(ix)	(अ) 100 × 100 × 100 सेमी.
½	(x)	(ब) बेल
½	(xi)	(अ) 5.15 प्रतिशत
½	(xii)	(द) चोकला
½	(xiii)	(ब) टिक फीवर
½	(xiv)	(अ) मुम्बई
½	(xv)	(अ) 12 से 18 घण्टे की बीच
½	(xvi)	(ब) नागौरी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उ० 2.	
½	(i)	मेलेलोटाई प्रजाति
½	(ii)	58 प्रतिशत
½	(iii)	थायमीन
½	(iv)	"लू"
½	(v)	रेह्मनेसी
½	(vi)	100°C
½	(vii)	जैविक
½	(viii)	करनाल (हरियाणा)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
½	(ix)	जुगाली
½	(x)	श्वेत क्रांति
	उ० 3	
	(i)	मृदा उत्पादकता →
½		इसका अभिप्राय प्रति हैक्टेयर की पैदावार देने की क्षमता से है। इसको रुपयों में या उपज में इसका मापन करते हैं।
	(ii)	हरी खाद वाली फसल का एक आवश्यक गुण निम्न प्रकार है -
½		(i) हरी खाद वाली फसल शीघ्र वृद्धि करने वाली होनी चाहिए।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) हरी खाद वाली फसल का बीज ज्यादा मँहगा नहीं होना चाहिए।

(iii) शुष्क कृषि → जिन स्थानों पर जल की नितांत कमी है या जल उपलब्ध ही नहीं है वहाँ पर बिना जल की सिचांई के जो कृषि की जाती है उसे शुष्क कृषि कहते है।

सीद्धांत →

(i) शुष्क कृषि प्रर्नत: वर्षा पर आधारित होनी चाहिए।

(v) फल परिरक्षक पदार्थ →

(i) सोडियम बेंजोएट

(ii) पोटेशियम मेटा बाई सल्फेट

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(vii) खुरपका - मुँहपका के लक्षण →

यह वायरस जनित रोग है।

लक्षण →
(i) इस रोग मे पहले खुरो मे छाले होते है जो बाद मे फूट जाने के बाद पशु उसे जीभ द्वारा चाटता है तो पशु की जीभ मुँह मे भी छाले हो जाते है।

(vi) मालपुरा नस्ल एक भेड़ की नस्ल है।
यह नस्ल मालपुरा (टोंक) से विकसित की गई
विशेषता → (i) इस नस्ल की भेडो का रंग सफेद और मुँह पर को छोड़कर सम्पूर्ण शरीर पर ऊन होती है।

(ii) इस नस्ल से प्राप्त ऊन उन्नत सफेद रंग की होती है।

7

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(viii) खाज एवं खुजली का उपचार निम्न प्रकार है-

(i) पशुशाला मे ब्यूटॉक्स का छिड़काव करना चाहिए।

ब्यूटॉक्स का छिड़काव नियमित समयांतराल पर करने से इसको नियंत्रित किया जा सकता है।

1

(iv) अंगूर की फसल मे संधाई (ट्रेनिंग) की विधि -

(1) पंडाल विधि।

(2) नीफिंग विधि।

1

खण्ड - ब

3. 9. फलोद्यान मे गर्म हवाओं से बचाव निम्न प्रकार है -

(i) फलोद्यान के चारो ओर वायुरोधी वृक्ष जैसे - (आम, जामुन, शीशम आदि लगाकर।

½

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) पुराने वृक्षो की शाखाओं पर सफेद चूने का लेप करकर जिससे उनमे शीतलता बनी रहे।

(iii) उद्यान मे नियमित अंतराल पर सिचांई करके गर्म हवाओं से बचाव किया जा सकता है।

उ० 10. पशु आहार प्रबंधन मे ध्यान देने योग्य बिन्दु निम्न है -

(i) आहार स्वास्थवर्धक होना चाहिए।

(ii) आहार सस्ता एवं आसानी से उपलब्ध होना चाहिए।

(iii) आहार मे हरा चारा अधिक मात्रा मे शामिल किया जाना चाहिए।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उ. (6)	सिंचाई के उद्देश्य निम्न प्रकार है -
		(i) मृदा में नमी की पूर्ति हेतु।
		(ii) फसल को सूखे से बचाने हेतु।
1½		(iii) अनावृष्टि की दशाओं मे फसल मे कृत्रिम रूप से पानी देकर उन्हे सूखने से बचाया जा सकता है।
	उ. 13.	जहरबाद रोग से बचाव के उपाय निम्न प्रकार है -
		(i) पशु को B.Q का टीका लगवाना चाहिए।
		(ii) रोगी पशु को स्वास्थ्य पशुओ से अलग रखना चाहिए।
1½		(iii) पशुशाला को स्वच्छ रखना चाहिए।
		(iv) मृत पशु को गाढ़ दे या जला देना चाहिए।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उ० 11.	सिरोही नस्ल बकरी की एक नस्ल है -
		(i) उत्पत्ति स्थान एवं वितरण :-
		इस नस्ल का उत्पत्ति स्थान राजस्थान का सिरोही जिला है। एवं उसके समीपवर्ती जिलों मे यह नस्ल मिलती है।
		(ii) उपयोगिता →
1½		इस नस्ल से दूध व मांस दोनो ही प्राप्त होते है अतः यह नस्ल द्वि प्रयोजनीय नस्ल है।
		यह नस्ल 1.5 से 2.5 लीटर दूध प्रतिदिन देती है।
	उ० 8	फलोद्यान लगाने की आयताकार विधि का नामांकित चित्र निम्न प्रकार है -

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

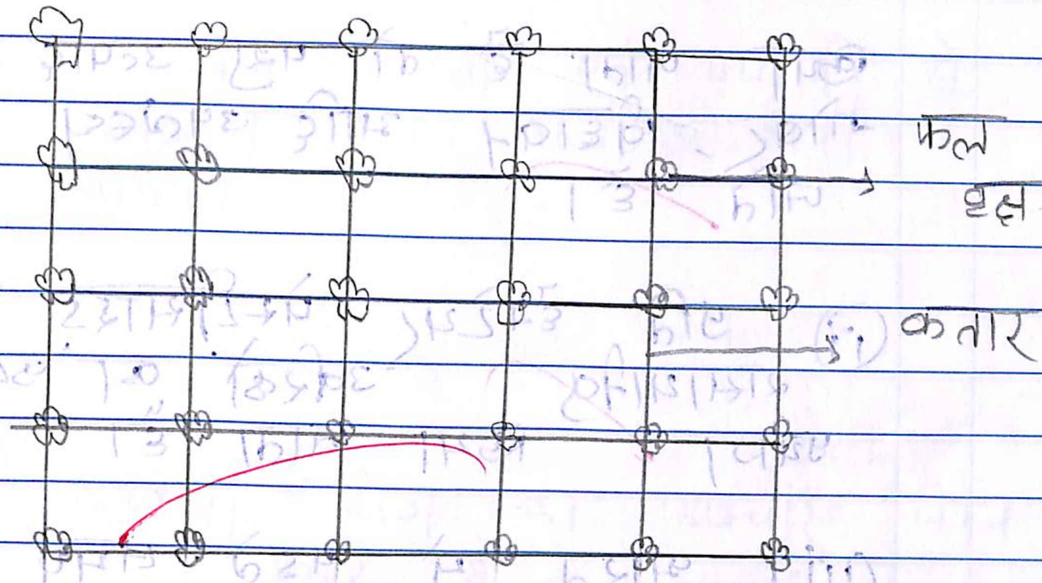

आयताकार विधि

आयताकार विधि → इस विधि मे पौधे से पौधे का अंतराल कम तथा कतार से कतार का अंतराल अधिक रखते है।
इस विधि मे चार पौधे मिलकर एक आयत का निर्माण करते है।

5. भारत मे जैविक खेती की प्रचुर संभावनाऐ है जो निम्न प्रकार है -

(i) संसाधनों की उपलब्धता → हमारा देश कृषि प्रधान देश है और कृषि के अलावा पशुपालन भी प्रचुर मात्रा मे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

किया जाता है तो पशु उत्पाद जैसे- गोबर, विद्वावन आदि उपलब्ध हो जाते है।

(ii) प्रति हेक्टेयर पेस्टीसाइड व रासायनिक उर्वरकों का कम प्रयोग किया जाता है।

(iii) भारत मे पहले समय से ही जैविक खेती होती चली आ रही है तो यहाँ की मृदा भी जैविक खेती के अनुकूल हो गई है।

उ. 5. उत्तम बीज के गुण निम्न प्रकार है -

(i) बीज हमेशा प्रमाणित संस्था से ही लेना चाहिए।

(ii) प्रमाणित बीज के थैले पर संस्था का Tag होना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) बीज सस्ता एवं आसानी से उपलब्ध होने वाला होना चाहिए।

उ॰ 14

फड़किया रोग का उपचार निम्न प्रकार है

(i) INJ. क्वीन 10 ml. का इंजेक्शन अंत शिरा दें।

(ii) INJ. P.P.F दें।

(iii) INJ. एम्पीसिलीन 10 ml. अंत पेशी दें।

(iv) बचाव हेतु E.T.V का टीका पशु को लगवाये।

(v) रोगी पशु को स्वस्थ पशुओ से अलग रखें।

(vi) मृत पशु को गाड़

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उ. 15.	ऑपरेशन फ्लड का द्वितीय चरण निम्न प्रकार है
		भारत मे दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ऑपरेशन फ्लड चलाया गया। ऑपरेशन फ्लड के द्वितीय चरण मे जो कमियाँ रह गई थी उनको सुधारने हेतु ऑपरेशन फ्लड का द्वितीय चरण 1 जुलाई 1985 मे चलाया गया।
1½		जिसका उद्देश्य था भारत मे दूध उत्पादन को बढ़ाना और बाहर विदेशों से जो बटर ऑयल आता था उससे सप्रेरा दूध तैयार करना। द्वितीय चरण के बाद भारत मे प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता बढ़ गई।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उ॰ 12.	धान की नर्सरी तैयार करने की विधियाँ निम्न प्रकार है -
1½		(i) डेपोग विधी (ii) शुष्क विधी (iii) गीली विधी क्यारी विधी.
	उ॰ 7	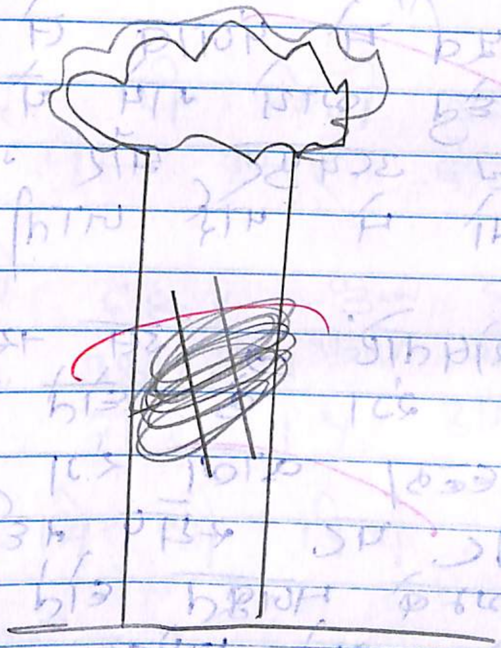
1½		गूटी ग्राफ्टिंग यह पादप प्रसारण की तकनीक है इसके अन्तर्गत तना पर काट लगाकर उसे लाकर शाखा से लगाकर बांध देते है।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उ. 18.	मेवाड़ी नस्ल ऊँट की नस्ल है
		(i) उत्पत्ति स्थान व वितरण -
		राजस्थान के उदयपुर जिले को मेवाड़ कहते है। वहीं से इस नस्ल पूरे राजस्थान मे फैली है। यह नस्ल के ऊँट पूर्व मे पंजाब से सवारी करने हेतु लाये गये थे। यह नस्ल उदयपुर और इससे लगे क्षेत्रो मे पाई जाती है
B		(ii) विशेषताऐं → इस नस्ल के ऊँट भूरे रंग के होते है पैरो पर हल्का काला रंग होता है पीठ पर स्टॉप नही होता है, पैर लम्बे मजबूत होते है। पैरों के तलवे गद्देदार होते है। यह ऊँट 3-5 मील प्रति घण्टा की यात्रा कर सकते है
		(iii) उपयोगिता - इस नस्ल के ऊँट भार ढोने

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

और सवारी करने दोनो ही कामो में उत्तम है।
इस नस्ल की ऊँचाई 5-6 लीटर दूध। प्रतिदिन देती है।

उ.
(17) अमरूद की जेली बनाने की विधि निम्न प्रकार है -

जेली में 68% कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 38% फल का भाग, 3-4% पेक्टिन और 1% अम्लता होती है।

3

जेली बनाने की विधि -

① फलों का चुनाव - जेली बनाने के लिए ऐसे फलो को चुनते है जिनमे पेक्टिन अधिक मात्रा में उपस्थित हो। और चुनाव के बाद ही धुलने की प्रक्रिया होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) फलों को धोना – फलों को धोकर उन्हे साफ सुथरा किया जाता है। ताकि उन पर रोगाणु नही रह जाये।

(iii) उबालना फलों को – अब फलो का पानी मे डालकर उन्हे उबालना होता है उबालते समय फलो को कुचलते रहने से पेक्टिन सम्पूर्ण बाहर आ जाती है।

(iv) चीनी मिलाना अब फलो मे पेक्टिन की मात्रा के आधार पर चीनी मिलाई जाती है यदि पेक्टिन ज्यादा है तो चीनी कम और यदि पेक्टिन कम है तो चीनी ज्यादा मिलाई जायेगी।

(v) जेल मीटर परीक्षण –

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अब तैयार जैली का जेल मीटर द्वारा परीक्षण किया जाता है यदि जैली में घुलनशील ठोस पदार्थ 68% है तो जैली तैयार है यदि नहीं है तो और उबालना चाहिए।

(vi) डिब्बों मे भरना → अब तैयार जैली को डिब्बो मे उचित ताप पर पैंकिग की जाती है। और उस पर लेबल लगा दिया जाता है।

उ. 20 बेर की वैज्ञानिक खेती -

बेर

वानस्पतिक नाम - जीजिफस मोरेसियाना।
कुल - रैहमनेसी
उत्पत्ति स्थान - भारत

1

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) भूमि एवं जलवायु →

बेर की सफल खेती के लिए दोमट या बलुई दोमट मृदा उपयुक्त मानी जाती है।

जलवायु - उष्ण एवं उपोष्ण जलवायु।

(ii) उन्नतशील किस्मे :-

1 गोला, थार सेविका जोगिया, उमरान आदि।

(iii) पौधे लगाने की विधी -

पौध रोपण हेतु वर्षा ऋतु मे 75 × 75 × 75 cm आकार

1 के गड्डे खोदकर इसे गोबर की खाद व 50 g क्यूनालफास को मिलाकर भर दे। और पौधे रोपण करके सिंचाई करें।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) कीट एवं व्याधियाँ →

(i) कीट मिली बग → यह कीट फलो को खाकर उन्हे बेकार कर देता है।

उपचार - मिथाइल पैराथियोन का छिड़काव करना चाहिए।

व्याधी → (i) बेर का छाछ्या रोग - यह बेर की प्रमुख व्याधी है जिससे बेर की फसल मे बहुत अधिक हानि होती है।

प्रबंधन - (i) घोलल का भुरकाव करना चाहिए।

30/19. मक्का की वैज्ञानिक खेती।

वानस्पतिक नाम - जिया मेज L.

कुल - पोएसी

22

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) चार उन्नतशील किस्में -

बायो - 9637, R.G.H - 8,
काले - ड्रेकन, धवन

4

(i) मृदा एवं खेत की तैयारी -

मक्का की सफल खेती के लिए
दोमट व बलुई दोमट
मृदा सर्वोत्तम रहती है।
खेत की तैयारी - खेत में 2-3
जुताईयां करके पाटा लगाकर
खेत को समतल करना
चाहिए।

4

(ii) बीज दर एवं बीजोपचार -

• मक्का की खेती के लिए
40 - 50 kg बीज प्रति
हैक्टेयर पर्याप्त रहता है।

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बीजोपचार - बीजो को नमक के घोल से उपचारित करके छाया मे सुखाकर बोना चाहिए। थूरमॅतफ़ॉस से उपचारित करना चाहिए।

1

(iv) पादप संरक्षण →

(i) दीमक से बचाव हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 % घोल का छिड़काव करना चाहिए।

1

(ii) तना छेदक के लिए मिथाइल डेमोटोन का 10 % घोल का छिड़काव करना चाहिए।

प्र. 16 खरपतवारों के भौतिक नियंत्रण -

(i) हाथ से उखाड़ना - खेत मे खरपतवारों को हाथ से उखाड़कर नष्ट कर दिया जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) जुताई करना – खेत मे गहरी जुताई करने से खरपतवार नष्ट हो जाते है।

(iii) नीराई – गुड़ाई – खेत मे अधिको छोटा खुरपी से नीराई – गुड़ाई करके खरपतवार प्रबंधन किया जा सकता है।

रासायनिक प्रबंधन

(i) शाकनाशीयो का छिड़काव – खरपतवारों पर शाकनाशीयो का छिड़काव करके खरपतवारों को नष्ट किया जा सकता है।

3

(ii) शाकनाशीयो के उदाहरण – 2-4 D, डाइरवार, पेराक्वाट, ग्लाइसोफेट आदि।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii)
जहाँ तक हो सके रासायनिक शाकनाशीयो का प्रयोग कम करना चाहिए क्योकि यह वातावरण और मृदा को प्रदूषित करते है।

समाप्त

कुल = 55½

मुकेश कुमार
06-04-2025

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023